

---

# Brahmakritam Vishnu Stotram

---

## ब्रह्मकृतं विष्णुस्तोत्रम्

---

### Document Information

---

Text title : Brahmakritam Vishnu Stotram

File name : viShNustotraMbrahmakRRitam.itx

Category : vishhnu, stotra

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : from Vishnudharma Upapurana. Adhyaya 66

Latest update : December 25, 2021

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---


Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 25, 2021

*sanskritdocuments.org*

---


——  
ब्रह्मकृतं विष्णुस्तोत्रम्



ततः प्रणम्य देवेशमजमार्तिहरं हरिम् ।  
पितामहः प्रह्वतनुर्वाक्यमेतदुवाच ह ॥ २३ ॥  
ज्ञातं स्वरूपमज्ञातस्वरूप भगवंस्तव ।  
मया न यद्वाग्विषये तत्रस्थं चाखिलं जगत् ॥ २४ ॥  
धन्योऽस्म्यनुगृहीतोऽस्मि स्वरूपं यन्मया तव ।  
भगवञ्ज्ञातमज्ञातमनन्ताज नमोऽस्तु ते ॥ २५ ॥  
यदि प्रसादं देव त्वं प्रकरोषि ममापरम् ।  
परमं चावतारेषु यद्रूपं तद्वदस्व मे ॥ २६ ॥  
केषु केषु मया ज्ञेयः स्थानेषु त्वमधोक्षज ।  
सम्भूतयो ममाचक्ष्व या भविष्यन्ति ते भुवि ॥ २७ ॥  
देवलोके नृलोके वा पाताले खेऽन्यतोऽपि वा ।  
सम्भूतयो यास्तु भवान्करिष्यति वदस्व ताः ॥ २८ ॥  
त्वं कर्ता सर्वभूतानां संहर्ता चेश्वरेश्वरः  
तवापि कर्ता नान्योऽस्ति स्वेच्छया क्रीडते भवान् ।  
अहं वेद्मि भवन्तं हि न तवान्योऽस्ति वेदिता ॥ २९ ॥  
इति विष्णुधर्मेषु षड्विंशतिमोऽध्यायान्तर्गतं  
ब्रह्मकृतं विष्णुस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Proofread by PSA Easwaran

pdf was typeset on December 25, 2021

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

